**प्रेस विज्ञप्ति**

**राज भवन, राँची**

**दिनांक : 15 नवम्बर, 2025 :-**

(1) झारखण्ड स्थापना दिवस पर सभी राज्यवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। झारखण्ड आज अपने स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर रहा है, यह विभिन्न क्षेत्रों में हमारी प्रेरणादायक प्रगति का प्रतीक है। मैं आप सभी की सुख-समृद्धि और राज्य की निरंतर उन्नति की कामना करता हूँ।

---

(2) महान स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही मातृभूमि और जनजातीय अस्मिता की रक्षा के लिए जो अद्भुत संघर्ष किया, वह सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। समस्त देशवासियों को 'जनजातीय गौरव दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएँ।

---

(3) धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर राज भवन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

---

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज उलिहातू, खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि जन-आस्था, जन-मानस और जन-भावनाओं के “भगवान” हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन ही झारखंड राज्य की स्थापना हुई थी। हमारा राज्य आज अपने 25 वर्षों के सफर को पूर्णा करते हुए रजत जयंती वर्ष मना रहा है। उन्होंने इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए ईश्वर से झारखंड की निरंतर उन्नति, समृद्धि और शांति की कामना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर ‘जनजातीय गौरव दिवस’ के रूप

में मनाने का निर्णय पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी संस्कृति, अपनी धरती और अपने लोगों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। वे बहुत कम समय तक इस धरती पर रहे। वे एक महान समाज-सुधारक और राष्ट्रनायक थे। उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचार और जनजातीय समाज पर हो रहे अन्याय के विरुद्ध जन-आंदोलन किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनकी गहरी इच्छा है कि भगवान बिरसा मुंडा के पैतृक ग्राम का सर्वांगीण विकास किया जाए। इसे आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने तथा यहाँ "Statue of Unity" जैसी एक प्रेरणादायी पहल स्थापित करने का सुझाव दिया, जिससे देश-विदेश से लोग यहाँ आयें तथा धरती आबा के तप, त्याग और संघर्ष की विरासत से प्रेरणा ले सकें। मातृभूमि, मातृभाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम जीवन का सौंदर्य और देश का गौरव है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जनजातीय समुदाय का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। यह समुदाय भारतीय संस्कृति का प्राचीन और अभिन्न अंग रहा है। प्रकृति से इसका गहरा संबंध, लोक-परंपराओं की विविधता और जीवन मूल्यों की विशिष्टता इसे वैश्विक पहचान दिलाती है। उन्होंने शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि जनजातीय समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक

होने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि ज्ञान ही शक्ति है और राष्ट्र की प्रगति का सबसे बड़ा आधार भी।

राज्यपाल महोदय ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाए जाने से जनजातीय परंपराओं, शौर्य गाथाओं और सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय पहचान मिली है। उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के साथ-साथ बाबा तिलका माँझी, सिद्धो-कान्हू, फूलो-झानो, वीर बुधु भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया सहित झारखंड के सभी अमर वीरों के अतुलनीय योगदान को नमन किया और कहा कि राष्ट्र सदैव इन महान नायकों का ऋणी रहेगा।

राज्यपाल महोदय उलिहातू में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों से भी मिले और उन्हें सम्मानित किया।

---

(5) धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आज कोकर स्थित उनके समाधि स्थल जाकर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका संघर्ष और समर्पण हमें अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ संकल्प की प्रेरणा देता है।

---

(6) धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित की।

---

(7) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज झारखण्ड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड के 25 वर्ष पूर्ण होना सभी राज्यवासियों के लिए आत्मगौरव, आत्मचिंतन और आत्मसंकल्प का क्षण है। उन्होंने कहा कि इस राज्य की नींव जन-आकांक्षाओं, संघर्षों और सपनों की भूमि पर रखी गई है।

राज्यपाल महोदय ने भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, फूलो-झानो समेत सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान ने इस पावन धरती की गौरवगाथा को और अधिक समृद्ध किया है। उन्होंने झारखण्ड राज्य के गठन में योगदान हेतु पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनकी दूरदृष्टि और संकल्प के कारण ही इस राज्य का सृजन संभव हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि यह दिन इसलिए भी विशेष

महत्व रखता है क्योंकि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है और पूरा देश धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को “जनजातीय गौरव दिवस” के रूप में मना रहा है। उन्होंने इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के असाधारण योगदान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा।

माननीय राज्यपाल ने झारखण्ड राज्य के गठन में सहभागी सभी महानुभावों को नमन करते हुए कहा कि वर्ष 2000 में जब झारखण्ड राज्य अस्तित्व में आया, तब वे केन्द्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य थे और लोकसभा सांसद के रूप में राज्य के गठन के पक्ष में मतदान कर अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपने लम्बे समय के संसदीय सहयोगी एवं झारखण्ड आंदोलन के नेता दिवंगत दिशोम गुरू शिबू सोरेन जी को स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि बीते 25 वर्षों में झारखण्ड ने शिक्षा, कृषि, खनन, ऊर्जा, खेल और संस्कृति सहित अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य की प्राकृतिक एवं खनिज संपदा, सांस्कृतिक विरासत तथा परिश्रमी नागरिक इसकी सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों के योजनाबद्ध विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा

मिलेगा बल्कि व्यापक स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के समक्ष शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसी चुनौतियाँ अवश्य हैं, किन्तु जन-सहयोग, सुशासन और दूरदर्शी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से इन चुनौतियों का समाधान पूरी तरह संभव है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत @2047' की परिकल्पना को साकार करने में झारखण्ड अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि रजत जयंती वर्ष के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह एक सशक्त, समृद्ध और विकसित झारखण्ड के निर्माण में अपनी सक्रिय व ईमानदार भूमिका निभाए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से आने वाले वर्षों में झारखण्ड विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। राज्यपाल महोदय ने समारोह में दिवंगत दिशोम गुरू शिबू सोरेन जी के जीवन-वृत्त पर आधारित प्रदर्शनी तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी अवलोकन किया।

(8) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज रांची विश्वविद्यालय, रांची के दीक्षांत मंडप में जनजाति गौरव दिवस आयोजन समिति, राँची द्वारा 'जनजातीय गौरव दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में उनकी जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है और इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पहल धरती आबा के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ भारत की जनजातीय परंपराओं, संस्कृति और शौर्य को राष्ट्रीय पहचान प्रदान करने वाली है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि संघर्ष, त्याग, स्वाभिमान और कर्तव्य का ऐसा प्रकाश-स्तंभ है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जी ने अपनी मातृभूमि, संस्कृति और लोगों की रक्षा के लिए जो संग्राम किया, वह आज भी हर भारतीय के हृदय में साहस, आत्मबल और राष्ट्रभाव का संचार करता है।

माननीय राज्यपाल ने राज्य की स्थापना के रजत वर्ष पर समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि झारखंड निरंतर विकास, समृद्धि और शांति

के पथ पर अग्रसर रहे तथा राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि हमारे जनजाति भाई-बहन भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा का जीवंत स्वरूप हैं। उनकी लोक-कथाएँ, नृत्य, संगीत, त्योहार और परंपराएँ प्रकृति-प्रेम, संतुलन और सामुदायिक सहयोग की अनूठी परंपरा को दर्शाती हैं। जब विश्व सतत विकास की बात करता है, तब जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता आया है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड की लगभग 3.28 करोड़ जनसंख्या में लगभग 28% जनजातीय समुदाय है। राज्य की 32 अनुसूचित जनजातियों और कई PVTG समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार अनेक योजनाएँ संचालित कर रही हैं। इन योजनाओं का लाभ जनजातीय समाज तक पहुँचना सामूहिक दायित्व है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान उन्हें जनजातीय समाज की मेहनत, ईमानदारी और कौशल को निकट से देखने का अवसर मिला। विशेष रूप से महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर गाँवों में आर्थिक गतिविधियों और महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय लिख रही हैं। उन्होंने जनजातीय समाज से शिक्षा के प्रति और अधिक जागरूक होने का

आह्वान किया और कहा कि यह सुखद है कि आज जनजातीय समाज में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है और बेटियाँ विद्यालय एवं महाविद्यालयों में सक्रिय रूप से शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारा जनजातीय समाज कला, साहित्य, हस्तशिल्प, संगीत के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी अत्यंत प्रतिभाशाली है। महिला हॉकी टीम में यहाँ की बेटियां देश का मान बढ़ा रही हैं। झारखंड को "Land of Archery" कहा जाना तीरंदाजी के क्षेत्र में प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 'जनजातीय गौरव दिवस' केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी विरासत, संघर्ष, शौर्य और सांस्कृतिक अस्मिता को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों साहस, सत्य, परिश्रम और समाजहित को अपने जीवन में अपनाएँ और झारखंड व देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से कहा कि यदि किसी को कोई समस्या हो, तो वे नि:संकोच राज भवन आ सकते हैं। वे सदैव सहज उपलब्ध हैं।